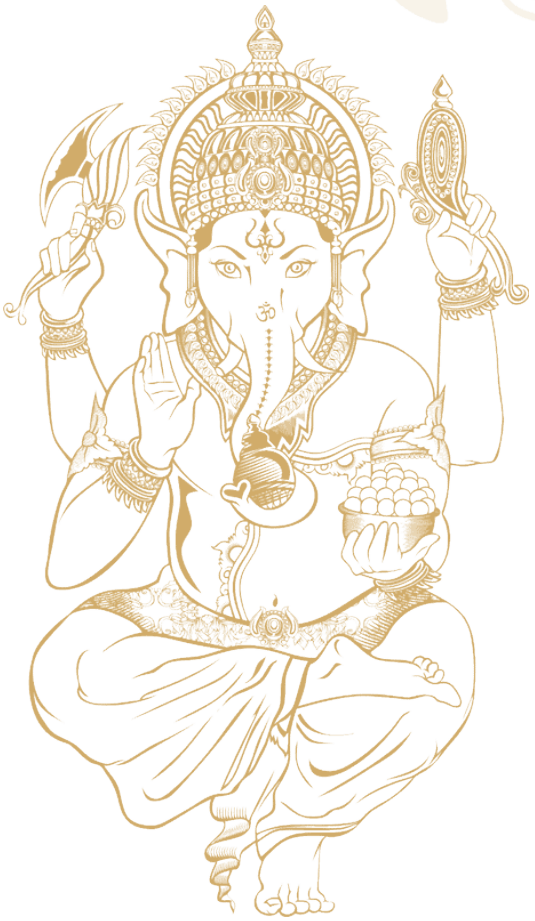

Hitesh gava

29 May 1971

07:44 AM

Rajkot

Model: web-freekundliweb

Order No: 121337405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/05/1971**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:44:00 घंटे**
इष्ट	04:12:50 घटी
स्थान	**Rajkot**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	22:18:00 उत्तर
रेखांश	70:53:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:46:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:57:32 घंटे
वेलान्तर	00:02:47 घंटे
साम्पातिक काल	23:21:22 घंटे
सूर्योदय	06:02:51 घंटे
सूर्यास्त	19:24:53 घंटे
दिनमान	13:22:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	13:37:32 वृष
लग्न के अंश	07:04:48 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वृद्धि
करण	बालव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:04:48	330:23:32	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			वृष	13:37:32	00:57:34	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	10:43:36	12:33:38	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	स्वराशि
मंगल			मक	18:25:27	00:24:41	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध			मेष	21:08:11	01:29:13	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु	व		वृश्चि	07:24:19	00:07:34	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	मित्र राशि
शुक्र			मेष	19:19:16	01:12:41	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
शनि			वृष	03:58:10	00:07:42	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मक	23:33:56	00:01:34	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	23:33:56	00:01:34	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कन्या	16:08:07	00:01:00	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	---
नेप	व		वृश्चि	08:05:40	00:01:37	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		कन्या	03:32:37	00:00:18	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	26:01:59	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:27:38

लग्न-चलित

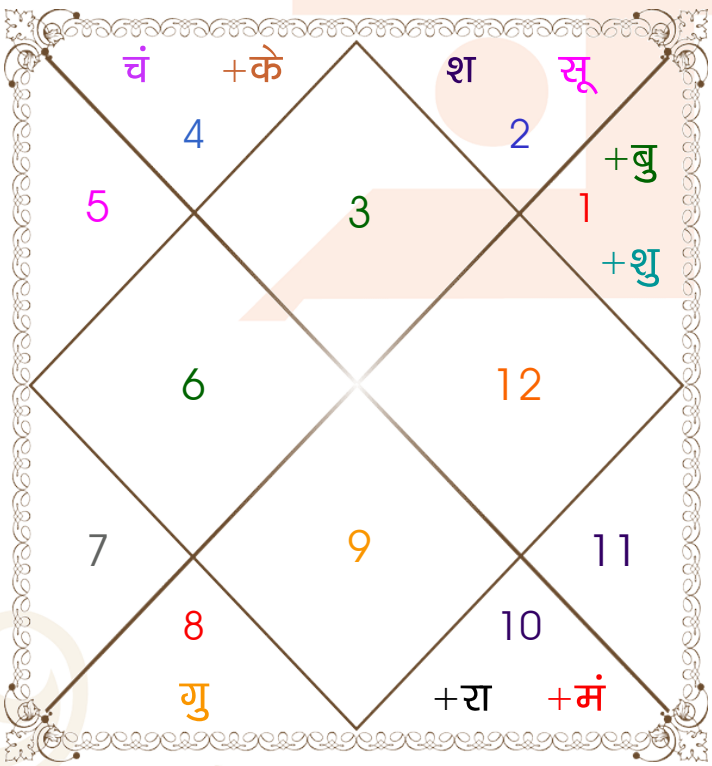

चन्द्र कुंडली

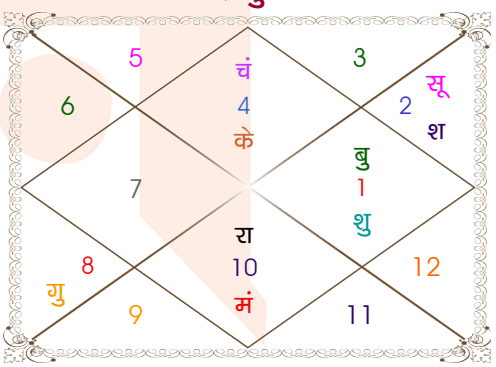

नवमांश कुंडली

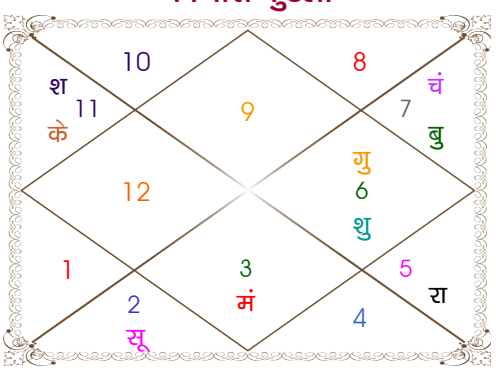

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 5 मास 17 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
29/05/1971		14/11/1979		14/11/1996		14/11/2003		14/11/2023	
14/11/1979		14/11/1996		14/11/2003		14/11/2023		14/11/2029	
	00/00/0000	बुध	12/04/1982	केतु	12/04/1997	शुक्र	16/03/2007	सूर्य	03/03/2024
	00/00/0000	केतु	09/04/1983	शुक्र	12/06/1998	सूर्य	15/03/2008	चंद्र	02/09/2024
	00/00/0000	शुक्र	07/02/1986	सूर्य	18/10/1998	चंद्र	14/11/2009	मंगल	07/01/2025
	29/05/1971	सूर्य	15/12/1986	चंद्र	19/05/1999	मंगल	14/01/2011	राहु	02/12/2025
सूर्य	18/10/1971	चंद्र	15/05/1988	मंगल	15/10/1999	राहु	14/01/2014	गुरु	20/09/2026
चंद्र	18/05/1973	मंगल	12/05/1989	राहु	01/11/2000	गुरु	14/09/2016	शनि	02/09/2027
मंगल	27/06/1974	राहु	30/11/1991	गुरु	08/10/2001	शनि	14/11/2019	बुध	09/07/2028
राहु	03/05/1977	गुरु	07/03/1994	शनि	17/11/2002	बुध	14/09/2022	केतु	14/11/2028
गुरु	14/11/1979	शनि	14/11/1996	बुध	14/11/2003	केतु	14/11/2023	शुक्र	14/11/2029

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
14/11/2029		14/11/2039		14/11/2046		14/11/2064		14/11/2080	
14/11/2039		14/11/2046		14/11/2064		14/11/2080		00/00/0000	
चंद्र	14/09/2030	मंगल	12/04/2040	राहु	27/07/2049	गुरु	02/01/2067	शनि	17/11/2083
मंगल	15/04/2031	राहु	30/04/2041	गुरु	21/12/2051	शनि	15/07/2069	बुध	28/07/2086
राहु	14/10/2032	गुरु	06/04/2042	शनि	27/10/2054	बुध	21/10/2071	केतु	05/09/2087
गुरु	13/02/2034	शनि	16/05/2043	बुध	15/05/2057	केतु	26/09/2072	शुक्र	05/11/2090
शनि	15/09/2035	बुध	12/05/2044	केतु	03/06/2058	शुक्र	28/05/2075	सूर्य	29/05/2091
बुध	13/02/2037	केतु	08/10/2044	शुक्र	03/06/2061	सूर्य	15/03/2076		00/00/0000
केतु	14/09/2037	शुक्र	08/12/2045	सूर्य	27/04/2062	चंद्र	15/07/2077		00/00/0000
शुक्र	16/05/2039	सूर्य	15/04/2046	चंद्र	27/10/2063	मंगल	21/06/2078		00/00/0000
सूर्य	14/11/2039	चंद्र	14/11/2046	मंगल	14/11/2064	राहु	14/11/2080		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 6 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।